समय : २½ घंटे **पूर्णांक : ७५**

सूचना : १. सभी प्रश्न अनिवार्य है |

२. सभी प्रश्नों के लिए अंक समान है |

३. उत्तर पत्रिका में प्रश्न क्रमांक व उप क्रमांक अवश्य लिखें |

प्रश्न १. निम्नलिखित में से किन्ही दो अवतरण की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए | (३०)

(क) "बाँभण साहि समदिया बीसलराइ |
हांसला तेजीय नइ कुलइ कबाइ |
दीन्हउ छइ सोनउ सोलहउ |
पाट पटंबर पाका जी पान |
कर जोड़ी राजा भणइ |
आगलइ राव सिउं राषिज्यों मांम ||"

(ख) "पानी बिच मीन पियासी |
मोहिं सुन सुन आवै हाँसी ||
घर में वस्तु नजर नहिं आवत |
वन वन फिरत उदासी ||
आतम ज्ञान बिना जग झूठा |
क्या मथुरा क्या कासी ||"

(ग) "सावन बरस मेह अति पानी | भरनि परी, हाँ बिरह झुरानी ||
लाग पुनरबसु पीउ न देखा | भइ बाउरि, कहँ कंत सरेखा ||
रकत कै आँसू परहि भुई टूटी | रेंगि चली जस बीर बहूटी ||
सखिन्ह रचा पिउ संग हिंडोला | हरियरि भूमि कुसुम्भी चोला ||
हिय हिंडोल अस डोलै मोरा | बिरह झुलाइ देइ झकझोरा ||
बाट असूझ अथाह गंभीरी | जिउ बाउर, भा फिरै भंभीरी ||
जग जल बूड जहाँ लगि ताकी | मोरि नाव खेवक बिनु थाकी ||"

प्रश्न २. निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए | (३०)

(च) बीसल देव रासो के कथानक का विस्तृत वर्णन कीजिए |

(छ) कबीर की भक्ति सम्बन्धी अवधारणा का विस्तार से वर्णन कीजिए |

(ज) पद्मावत मानव मन की विविधताओं से युक्त महाकाव्य है स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न ३. निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणी लिखिए| (१५)

(प) बीसलदेव रासो की ऐतिहासिकता |

(फ) समाज सुधारक कबीर |

(ब) 'प्रेम के पीर' कवि जायसी |

954C92BCF612CDE4BEB7E3A7F8A186CC